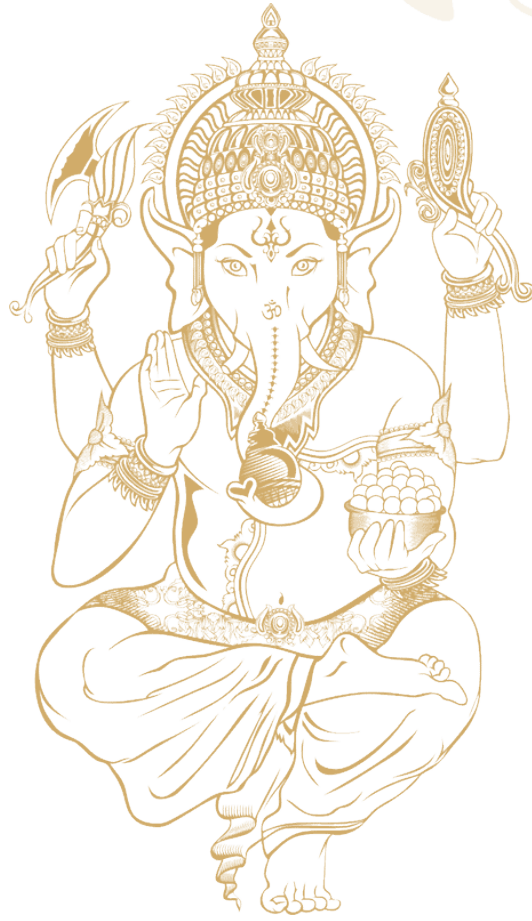




Mr.BPParashar

18 Oct 1958

01:00 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120422907

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग _____
 17-18/10/1958 : _____ जन्म तिथि _____ : 17-18/10/2025
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ : शुक्र-शनिवार
 घंटे 01:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 05:13:21 घंटे
 घटी 46:32:44 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 57:04:55 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:22:54 : _____ सूर्योदय _____ : 06:23:22
 17:50:03 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:49:17
 23:16:59 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:06
 कर्क : _____ लग्न _____ : कन्या
 चन्द्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 धनु : _____ राशि _____ : सिंह
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : सूर्य
 मूल : _____ नक्षत्र _____ : पू०फाल्गुनी
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शुक्र
 3 : _____ चरण _____ : 3
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : ब्रह्म
 तैतिल : _____ करण _____ : तैतिल
 भा-भारत : _____ जन्म नामाक्षर _____ : टी-टीना
 तुला : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : तुला
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 मानव : _____ वश्य _____ : वनचर
 श्वान : _____ योनि _____ : मूषक
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 आद्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : श्वान
 67 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 68



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आश्लेषा	1	19:22:53	कर्क			लग्न			कन्या	14:23:43	2	हस्त
चित्रा	3	00:38:21	तुला			सूर्य			तुला	00:38:21	3	चित्रा
मूल	3	08:31:14	धनु			चंद्र			सिंह	21:16:08	3	पू०फाल्गुनी
कृतिका	4	08:50:27	वृष	व		मंगल			तुला	23:21:42	2	विशाखा
स्वाति	1	09:02:18	तुला	अ		बुध			तुला	21:55:51	1	विशाखा
स्वाति	3	14:51:16	तुला			गुरु			मिथु	29:57:12	3	पुनर्वसु
चित्रा	1	24:21:08	कन्या			शुक्र			कन्या	10:52:30	1	हस्त
ज्येष्ठा	4	28:07:43	वृश्चि			शनि	व		मीन	02:20:44	4	पू०भाद्रपद
चित्रा	2	28:59:50	कन्या	व		राहु			कुंभ	23:46:00	2	पू०भाद्रपद
रेवती	4	28:59:50	मीन	व		केतु			सिंह	23:46:00	4	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	2	22:30:36	कर्क			मु			कुंभ	19:22:53	4	शतभिषा

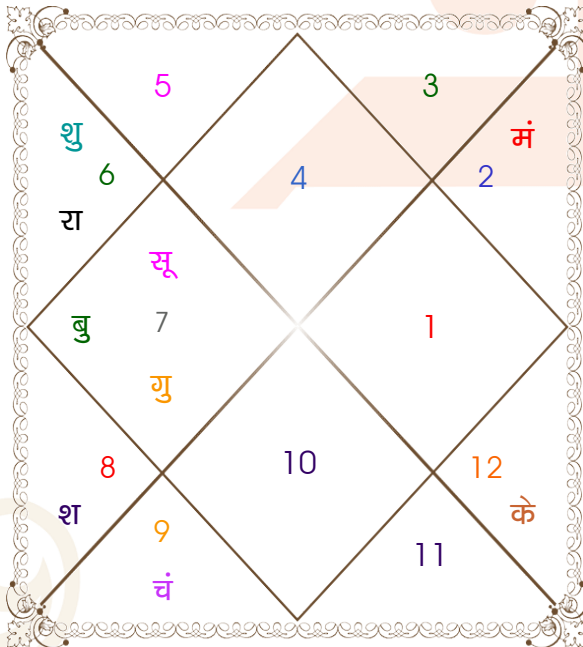
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

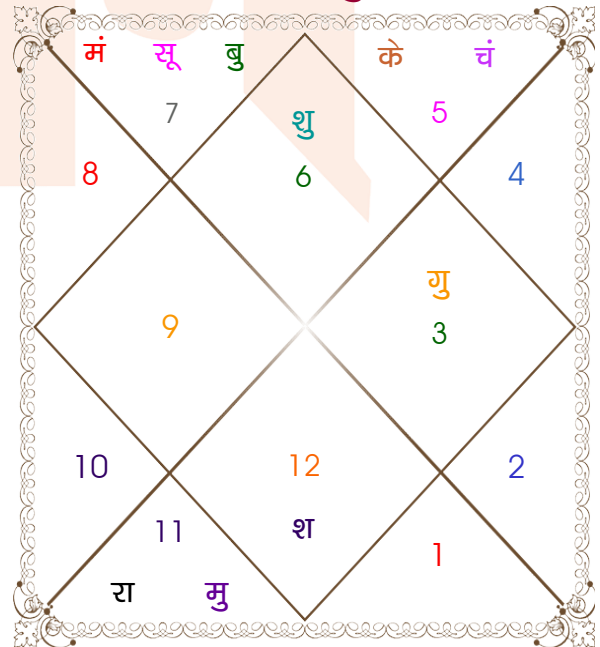
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - चंद्र	गुरु - शनि - मंगल	गुरु - शनि - राहु	गुरु - शनि - गुरु
29/11/2025 09:46	14/02/2026 12:22	09/04/2026 11:47	26/08/2026 06:52
14/02/2026 12:22	09/04/2026 11:47	26/08/2026 06:52	27/12/2026 15:50
चंद्र 05/12/2025 19:59	मंगल 17/02/2026 15:56	राहु 30/04/2026 07:27	गुरु 11/09/2026 17:40
मंगल 10/12/2025 07:56	राहु 25/02/2026 18:15	गुरु 18/05/2026 19:36	शनि 01/10/2026 06:29
राहु 21/12/2025 21:32	गुरु 04/03/2026 22:58	शनि 09/06/2026 19:01	बुध 18/10/2026 17:57
गुरु 01/01/2026 04:16	शनि 13/03/2026 12:05	बुध 29/06/2026 10:55	केतु 25/10/2026 22:40
शनि 13/01/2026 09:17	बुध 21/03/2026 03:36	केतु 07/07/2026 13:14	शुक्र 15/11/2026 12:10
बुध 24/01/2026 07:27	केतु 24/03/2026 07:10	शुक्र 30/07/2026 16:25	सूर्य 21/11/2026 16:13
केतु 28/01/2026 19:24	शुक्र 02/04/2026 07:04	सूर्य 06/08/2026 14:58	चंद्र 01/12/2026 22:58
शुक्र 10/02/2026 15:50	सूर्य 04/04/2026 23:50	चंद्र 18/08/2026 04:33	मंगल 09/12/2026 03:41
सूर्य 14/02/2026 12:22	चंद्र 09/04/2026 11:47	मंगल 26/08/2026 06:52	राहु 27/12/2026 15:50
गुरु - बुध - बुध	गुरु - बुध - केतु	गुरु - बुध - शुक्र	गुरु - बुध - सूर्य
27/12/2026 15:50	23/04/2027 22:41	11/06/2027 05:45	27/10/2027 05:21
23/04/2027 22:41	11/06/2027 05:45	27/10/2027 05:21	07/12/2027 14:50
बुध 13/01/2027 06:36	केतु 26/04/2027 18:18	शुक्र 04/07/2027 05:41	सूर्य 29/10/2027 07:01
केतु 20/01/2027 02:48	शुक्र 04/05/2027 19:29	सूर्य 11/07/2027 03:16	चंद्र 01/11/2027 17:49
शुक्र 08/02/2027 15:57	सूर्य 07/05/2027 05:26	चंद्र 22/07/2027 15:14	मंगल 04/11/2027 03:46
सूर्य 14/02/2027 12:41	चंद्र 11/05/2027 06:01	मंगल 30/07/2027 16:24	राहु 10/11/2027 08:47
चंद्र 24/02/2027 07:16	मंगल 14/05/2027 01:38	राहु 20/08/2027 09:09	गुरु 15/11/2027 21:15
मंगल 03/03/2027 03:28	राहु 21/05/2027 07:29	गुरु 07/09/2027 18:42	शनि 22/11/2027 10:33
राहु 20/03/2027 17:41	गुरु 27/05/2027 18:02	शनि 29/09/2027 15:02	बुध 28/11/2027 07:18
गुरु 05/04/2027 09:00	शनि 04/06/2027 09:33	बुध 19/10/2027 04:10	केतु 30/11/2027 17:15
शनि 23/04/2027 22:41	बुध 11/06/2027 05:45	केतु 27/10/2027 05:21	शुक्र 07/12/2027 14:50
गुरु - बुध - चंद्र	गुरु - बुध - मंगल	गुरु - बुध - राहु	गुरु - बुध - गुरु
07/12/2027 14:50	14/02/2028 14:38	02/04/2028 21:41	05/08/2028 02:08
14/02/2028 14:38	02/04/2028 21:41	05/08/2028 02:08	23/11/2028 11:25
चंद्र 13/12/2027 08:49	मंगल 17/02/2028 10:14	राहु 21/04/2028 12:45	गुरु 19/08/2028 19:22
मंगल 17/12/2027 09:24	राहु 24/02/2028 16:06	गुरु 08/05/2028 02:09	शनि 06/09/2028 06:50
राहु 27/12/2027 17:46	गुरु 02/03/2028 02:38	शनि 27/05/2028 18:03	बुध 21/09/2028 22:09
गुरु 05/01/2028 22:33	शनि 09/03/2028 18:10	बुध 14/06/2028 08:17	केतु 28/09/2028 08:41
शनि 16/01/2028 20:43	बुध 16/03/2028 14:22	केतु 21/06/2028 14:08	शुक्र 16/10/2028 18:14
बुध 26/01/2028 15:17	केतु 19/03/2028 09:58	शुक्र 12/07/2028 06:53	सूर्य 22/10/2028 06:42
केतु 30/01/2028 15:52	शुक्र 27/03/2028 11:09	सूर्य 18/07/2028 11:54	चंद्र 31/10/2028 11:29
शुक्र 11/02/2028 03:50	सूर्य 29/03/2028 21:06	चंद्र 28/07/2028 20:16	मंगल 06/11/2028 22:01
सूर्य 14/02/2028 14:38	चंद्र 02/04/2028 21:41	मंगल 05/08/2028 02:08	राहु 23/11/2028 11:25

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरुचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यों को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिर्नों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यों से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबंधियों से भी आपके संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रुके हुए कार्यों में भी असफलता मिलेगी। इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।